नागरिक / ग्राहक घोषणापत्र

भारतीय जन संचार संस्थान
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अन्तर्गत स्वायत्त संस्थान
जे.एन.यू. न्यू कैंपस, अरुणा आसफ अली मार्ग
नई दिल्ली-110067
वेबसाइट: www.iimc.gov.in

दिसंबर, 2022

दृष्टि

“अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देते हुए और एक ज्ञान संचालित सूचना समाज के निर्माण के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग करते हुए, प्रशिक्षित पेशेवरों की आपूर्ति कर मीडया उद्योग को सुदृढ़ बनाते हुए, और मानव विकास, सशक्तिकरण और बहुलवाद, सर्वव्यापक मूल्यों और आचार नीति से युक्त सहभागिता वाले लोकतंत्र में योगदान देते हुए, भारतीय जन संचार संस्थान मीडिया शिक्षा, शोध, विस्तार एवं प्रशिक्षण के लिए, विश्वस्तरीय मानक निर्धारित करेगा।”

लक्ष्य

सीखने और काम करने के लिए एक ऊर्जायुक्त व गतिशील वातावरण का निर्माण, जो नए विचारों, रचनात्मकता, अनुसंधान और शोधवृत्ति का पोषण करता हो और मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ताओं और नवोन्मेषकों का विकास करने वाला हो।

सेवा मानक

क्र.सं.	प्रमुख सेवायें	मानक
1.	भारतीय सूचना सेवा के समूह 'क' व 'ख' के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	भारतीय सूचना सेवा के सीधी भर्ती वाले अधिकारियों के लिए बुनियादी कार्यक्रम
2.	एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम • पत्रकारिता (अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, उड़िया, मराठी और मलयालम) में • विज्ञापन और जनसम्पर्क में • रेडियो और टीवी पत्रकारिता में • डिजिटल मीडिया में • संस्कृत पत्रकारिता में उन्नत प्रमाणपत्र कार्यक्रम	स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करना
3.	आईटेक, स्कैजप एवं कोलम्बो योजना के अंतर्गत विकास पत्रकारिता में डिप्लोकमा पाठ्यक्रम (विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	विकासशील देशों के कार्यरत पत्रकारों को डिप्लोमा प्रदान करना
4.	विभिन्न मीडिया इकाइयों, केंद्र और राज्य सरकार के संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों, अर्द्धसैनिक बलों, कार्पोरेट सेक्टर , संयुक्त राष्ट्र संगठन आदि के मध्य स्तर और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेषीकृत अल्पकालिक मध्य कैरियर प्रशिक्षण के कार्यक्रम।	डिप्लोमा प्रदान करना
5.	शोध एवं परामर्श	महत्वपूर्ण परियोजनाओं के विभिन्न् पहलुओं पर शोध रिपोर्ट उपलब्ध कराना ।

शिकायत निवारण तंत्र

(क.) जन शिकायत अधिकारी का नाम और संपर्क विवरण:

- नाम - श्री आशीष गोयल
- पदनाम - अपर महानिदेशक
- कार्यालय का पता - भारतीय जनसंचार संस्थान
  अरुणा आसफ अली मार्ग
  जेए यू न्यू कैंपस, नई दिल्ली-110067
- दूरभाष - 26741450,26741268
- फैक्स - 26741268
- ईमेल- adgiimc1965@gmail.com

(ख.) शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन नंबर/ वेबसाइट का यूआरएल

- दूरभाष - 26742940, 26742960, 26741987, 26741916, 26742239, 26741522, 26741537, 26742920

- वेबसाइट : www.iimc.gov.in

(ग.) शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को प्राप्त होने वाली प्रतिक्रिया की संभावित अवधि: **एक माह के भीतर**

(घ.) निवारण के लिए समय-सीमा: **तीन माह के भीतर**

हितधारक/ग्राहक

हितधारक

- आईआईएमसी सोसायटी की आम सभा और कार्यकारी परिषद।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय।

ग्राहक

- भारतीय सूचना सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी जो प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त हैं।
- नियमित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित छात्र।
- विकास पत्रकारिता और पत्रकारिता कौशल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विकासशील देशों के कार्यकारी पत्रकार और सूचना अधिकारी।
- विभिन्न मीडिया से संबंधित संगठनों के कार्मिक जो केंद्रीय, राज्य और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों और अर्धसैनिक बलों के विभिन्न संस्थानों से लघु अवधि के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए आते हैं।
- संस्थान द्वारा आयोजित किए जाने वाले सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि में भाग लेने के लिए आमंत्रित अतिथि/ विशेषज्ञ।
- संस्थान के नियमित कर्मचारियों के अतिरिक्त विभिन्न संचार शोध परियोजनाओं में लिए गये पेशेवर/सलाहकार।
- विदेश मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अन्य मंत्रालय तथा विदेश स्थित भारतीय मिशन।
- आईआईएमसी के संकाय सदस्य, सहायक कर्मचारी और प्रशासनिक कर्मचारी, जो संस्थान की गतिविधियों को पूरा करने के लिए सौंपे गए विभिन्न कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

उत्तरदायी केंद्र

भारतीय जन संचार संस्थान, मुख्यालय नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान, पूर्वी क्षेत्र ढेंकानाल

भारतीय जन संचार संस्थान, पश्चिमी क्षेत्र अमरावती

भारतीय जन संचार संस्थान, उत्तर पूर्व क्षेत्र आइजोल

भारतीय जन संचार संस्थान, उत्तरी क्षेत्र जम्मू

भारतीय जन संचार संस्थान, दक्षिणी क्षेत्र कोट्टायम

सेवा प्राप्तकर्ताओं से सांकेतिक अपेक्षाएं

- स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा कराने व आवेदन करने की अंतिम तिथि की जानकारी के लिए प्रवेश सूचना पढ़ें।

- स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म डाउनलोड करना/आवेदन फॉर्म की बिक्री।

- विधिवत भरे हुए फॉर्म को अपेक्षित शुल्क के साथ जमा करना।

- प्रवेश परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए पात्र उम्मीदवारों की सूची में अपने रोल नंबर और परीक्षा केंद्र के नाम की जाँच करना।

- चयनित उम्मीदवारों की प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार का आयोजन।

- साक्षात्कार के समय अपेक्षित प्रमाण पत्र जमा करना।

- जन्मतिथि और शैक्षिक योग्यता इत्यादि के मूल प्रमाण पत्र जमा करना।

- परिणामों की समय पर घोषणा।

- शैक्षणिक सत्र का आरंभ / कक्षाओं का आयोजन।

- समय पर पाठ्यक्रमों का पूरा होना व सेमेस्टर परीक्षाओं का आयोजन।

- अंतिम परिणाम की घोषणा के बाद दीक्षांत समारोह का समय पर आयोजन।

चार्टर की अगली समीक्षा का माह व वर्ष

"वर्ष में एक बार अगस्त माह में"

भारतीय जन संचार संस्थान

1. भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को जनसंचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध गतिविधियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईआईएमसी ने हमेशा अपने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों में, बिना किसी पूर्वाग्रह के, पारदर्शी तरीके से काम करने और अपने कर्तव्यपालन को लेकर प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना भरने का प्रयास किया है। इसके लिए विशेष तौर पर एक नागरिक घोषणापत्र तैयार किया गया है और उसका पालन किया जाता है।

2. नागरिक घोषणापत्र, छात्रों, कर्मचारियों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों और संस्थान के कार्य/गतिविधियों से संबंध रखने वाले किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए आईआईएमसी की सेवाओं की वचनबद्धता है।

3. भारतीय जन संचार संस्थान की विचारधारा और लक्ष्य के केंद्र में हितधारकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखना और ग्राहकों को उनकी संतुष्टि के लिए प्रदान की जाने वाली सेवायें हैं।

4. इस दिशा में, एक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया गया है, जिसमें एक जन शिकायत अधिकारी, अर्थात अपर महानिदेशक, आईआईएमसी को नामित किया गया है, जिसका नाम और संपर्क विवरण हमारी वेबसाइट पर दिया गया है। शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को एक महीने के भीतर प्रतिक्रिया मिलने और तीन महीने के भीतर शिकायत के निवारण की समय-सीमा निर्धारित की गयी है।

5. विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश एवं पदों पर भर्ती से संबंधित सूचना एवं निविदा दस्तावेज संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किये जाते हैं। उपयोगकर्ता प्रवेश के लिए आवेदन पत्र और

पदों पर भर्ती व निविदा संबंधी दस्तावेजों को डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश पत्र, साक्षात्कार के लिए पत्र और प्रवेश परीक्षा और सत्रीय परीक्षा के परिणाम भी वेबसाइट पर अपलोड किये जाते हैं।

6. परियोजनाओं की आवधिक निगरानी एक निगरानी समिति के माध्यम से की जाती है। इस समिति में महानिदेशक, अपर महानिदेशक, सहायक रजिस्ट्रार (लेखा), सहायक (परियोजना) और तकनीकी सलाहकार शामिल होते हैं।

7. चालू योजना पर आवधिक रिपोर्ट, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ सीवीसी (सीटीई) को भी भेजी जाती है।

8. संस्थान में भंडार के अधिग्रहण और संस्थान द्वारा किये जाने वाले कार्यों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। जीएफआर में उल्लिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

9. 2.0 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली निविदा भारत सरकार के केंद्रीय खरीद पोर्टल में अपलोड की जाती है।

10. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन की वेबसाइट को पेमेंट गेटवे के साथ गतिशील बनाया गया है, ताकि प्रवेश/भर्ती के लिए आवेदन पत्र के साथ शुल्क जमा करने के लिए भुगतान विकल्प आदि ऑनलाइन किए जा सकें।

11. भारतीय जनसंचार संस्थान में संवेदनशील नौकरियों को अलग-अलग व्यक्तियों को आवंटित करने के लिए सभी प्रयास किये जाते हैं ताकि संवेदनशील नौकरियों पर किसी व्यक्ति का एकाधिकार न हो।

12. विभिन्न स्तरों के अधिकारियों द्वारा उपयोग की जाने वाली परिभाषित शक्तियां हैं और उनके पास विवेकाधिकार की बहुत कम गुंजाइश उपलब्ध है। जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती

है, शक्ति का उपयोग विवेकपूर्ण, पारदर्शी और तर्कपूर्ण तरीके से किया जाता है। ऐसी शक्ति उच्च अधिकारियों द्वारा जांच के अधीन भी है। अधिकारियों द्वारा लिए गए सभी प्रमुख निर्णयों की पुष्टि की जाती है और नीतिगत निर्णय आईआईएमसी सोसायटी की आम सभा और कार्यकारी परिषद द्वारा लिए जाते हैं।

13. यह देखने के लिए आवधिक और औचक निरीक्षण किया जाता है कि संस्थान में गतिविधियां निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जा रही हैं। जनता के लिए आवश्यक हर सेवा और सूचना का विश्लेषण करने और नागरिकों को तर्कसंगत और सरल तरीके से समय पर और उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

14. आईआईएमसी ने अपनी सेवाओं के लिए सभी संबंधित नागरिकों के दृष्टिकोण को शामिल करने के लिए भी कदम उठाए हैं और फीडबैक के आधार पर वेबसाइट को अपडेट और फिर से डिजाइन किया जा रहा है।

15. आईआईएमसी ने न्यू मीडिया के लिए एक अलग विभाग भी बनाया है और इसके पास

फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि जैसे अतिसक्रिय सोशल मीडिया उपकरण हैं।

16. आईआईएमसी के नागरिक घोषणापत्र को वर्ष में एक बार अगस्त के महीने में संशोधित

किया जाता है।

17. सभी पहलुओं में कुशल और पारदर्शी सार्वजनिक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए

आईआईएमसी के महानिदेशक को संस्थान के पारदर्शिता अधिकारी के रूप में नामित किया

गया है।